मार्च 2018

वर्ष 30 अष्टम अंक

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

7 मकसद की निश्चितता उपलब्धियों का प्रारम्भिक बिन्दु

विशेष स्तम्भ

9 समसामयिक सामान्य ज्ञान
18 आर्थिक परिदृश्य
22 आर्थिक समीक्षा 2017-18
27 केन्द्रीय बजट 2018-19
33 राष्ट्रीय परिदृश्य
37 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
41 क्रीड़ा जगत्
46 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
47 सारभूत तत्व कोष
51 युवा प्रतिभाएँ
53 केन्द्र सरकार की नीतिगत पहलें
55 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

लेख

59 परिवहन लेख—भारतमाला परियोजना : देश की महत्वाकांक्षी राजमार्ग विकास परियोजना
61 न्यायिक लेख—अपराध मुक्त राजनीति के लिए विशेष अदालतें
62 समसामयिक लेख— उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम— 1986 तथा उससे जुड़े हुए प्रावधान
65 कैरियर लेख—आरक्षी नागरिक पुलिस एवं आरक्षी प्रादेशिक आर्म्ड कॉंस्टेबुलरी के पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा, 2018

हल प्रश्न-पत्र

70 रेलवे भर्ती बोर्ड गैर-तकनीकी (एनटीपीसी) परीक्षा, 2016
78 मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक (जी.डी.) भर्ती परीक्षा, 2017
85 बिहार पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा, 2017

उत्तराखण्ड बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2017

90 सामान्य ज्ञान एवं बुद्धि परीक्षण
95 हिन्दी भाषा

आगामी स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया लिपिकीय संवर्ग परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

100 तर्कशक्ति परीक्षा
104 संख्यात्मक अभियोग्यता
108 English Language
111 आगामी उत्तर प्रदेश पुलिस कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
117 सामान्य जानकारी—(i) आगामी रेलवे रिक्रूटमेण्ट बोर्ड ग्रुप 'डी' परीक्षा के लिए उपयोगी सामान्य जागरूकता
121 (ii) आगामी प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु बिहार से सम्बन्धित सामान्य जानकारी
125 (iii) ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अनुसंधान, विकास, प्रोग्राम्स एवं नई गतिविधियाँ—एक दृष्टि में
127 ज्ञान वृद्धि कीजिए
129 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. —सम्पादक

• **E-mail :** publisher@pdgroup.in • **Website :** www.pdgroup.in

मकसद की निश्चितता उपलब्धियों का प्रारम्भिक बिन्दु

✍ साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

आप कितना भी चलो पर,
पहले मंजिल का पता तो कर लो।
भोजन करने से पहले प्यारो,
भूख का पता तो कर लो।।
मिलेगी उसी को सफलता इस जहाँ में,
जिसकी ऊर्जा विनियोजित है
किसी एक दिशा में।
भटकते राही हजारों मिलेंगे हर राह पर,
जरा अपने ध्यान को अपने ही पथ पर
एकाग्र कर लो।।

आप अपनी जिन्दगी में करना क्या चाहते हो, पहले यह तय करो, कहीं ऐसा न हो कि आपकी ऊर्जा यूँ ही बिखर कर समाप्त हो जाए. फूल बनने से पहले की अवस्था में कुचली गई, मसली गई हर कली जैसे अपनी नाकामयाबी को रोती है, ऐसे ही हमारी आंतरिक क्षमताएं भी पूर्णता तक पहुँचे बिना जब कभी बिखर कर नष्ट-भ्रष्ट होती है, हमें भी उस कली की तरह ही रोना पड़ता है. आप चाहे जिस पथ के पथिक बने हो, अपने गंतव्य का निर्धारण हर उपलब्धि का प्रारम्भिक बिन्दु है.

हो सकता है हमें यह पता भी न पड़े कि हम क्या कर सकते हैं? किस दिशा में बढ़ सकते हैं ? हमारे लिए क्या उचित है अथवा क्या अनुचित है? तब आप इन विषय-बिन्दुओं से अपने आप पर प्रयोग कीजिए–

1. भूल करें और सीख लें (Error and Trial)—कहा जाता है कि कुछ नहीं करने से कुछ करना बेहतर है.

Something is better than nothing

ऐसा कब ? जबकि आप गलत करके भी कुछ सीख हासिल कर रहे होंगे. कई बार हमें अपनी योग्यताओं का पता कुछ गलतियाँ कर चुकने के बाद ही लग पाता है, तब भी लग जाये तो कोई हर्जा नहीं.

मैं कहीं कुछ गलत न कर बैठूँ, हानि न कर दूँ, ऐसा मत सोचो. कई लोग इस तरह की सोच को खुद पर इतना अधिक हावी कर लेते हैं कि वे कुछ भी नहीं करते. हर काम करने से पहले ही इतना अधिक सोच-सोच कर घबरा जाते हैं कि उनका हर काम घबराहट के कारण ही गलत हो जाता है. ऐसे में उस इंसान को सँभालना भी मुश्किल हो जाता है, तो क्यों न हम चेतें. हमसे कभी भी कुछ भी गलती न हो जाए, इस सोच से घबराओ मत. जब हम पहली बार चलना सीखे थे, बहुत बार गिरे थे, किन्तु आज हम उन सब बातों को भूल चुके हैं कि हम कितनी बार गिरे थे और हमें कहाँ-कहाँ चोट लगी थी. ठीक ऐसे ही सफलता हासिल कर लोगे तब यह नहीं सोचना पड़ेगा कि कितनी बार असफल हुए थे. बस, खुद को समझते जाओ और तब आपको आपकी सफलता का रास्ता मिल ही जाएगा. सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं वैज्ञानिक क्षेत्र में ऐसी अनेक हस्तियाँ हुईं हैं जो शून्य से उठ कर शिखर तक पहुँची है. लक्ष्य का निर्धारण, उसे हासिल करने का जुनून और प्रयासों ने ही उन्हें कामयाबी दिलायी. स्वयं को हीन और दुर्बल समझने की भूल मत कीजिए.